छात्र कार्यकलाप

छात्र कार्यकलाप
सह-पाठ्यक्रम कार्यकलाप
पाठ्यक्रमेत्तर कार्यकलाप
अन्य छात्र कार्यकलाप
विशेष अवसर
पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ
खेल समाचार

छात्र कार्यकलाप

संस्थान के छात्रों को पाठ्यक्रमेत्तर तथा सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि उनका सर्वाङ्गिड वैयक्तिक विकास हो सके । वर्ष के दौरान छात्रों ने न केवल इन कार्यक्रमों भी भाग लिया अपितु उन्होंने कई नये कार्यक्रमों का शुभारंभ भी किया ।

सह-पाठ्यक्रम कार्यकलाप

अमाल्थिया 2011

अमाल्थिया 2011, एक दो दिवसीय समागम सभा (कॉन्क्लेव) का आयोजन अक्तूबर 15-16, 2011 के दौरान किया गया था जिसका मुख्य विषय था **अवसंरचना : वर्तमान परिदृष्य और भावी संभावनाएँ** । 14 अक्तूबर, 2011 को गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी** द्वारा इस कॉन्क्लेव का उद्‌घाटन किया गया । बड़ी ही वाक्पटुता और प्रेरणास्पद शब्दों में छात्रों का संबोधन करते हुए श्री मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि स्थानीय अवसंरचनाओं और प्रादेशिक विकास का आपस में कितना घनिष्ट संबंध होता है । कॉन्क्लेव अन्य कार्यक्रमों में विशिष्ट व्यक्तियों के व्याख्यान और विषय से संबंधित मुद्दों पर पैनल चर्चासत्रों का समावेश रहा । वक्ताओं में **श्री मुकेश भण्डारी**, अध्यक्ष, इलेक्ट्रोथर्म इंडिया लि.; **श्री जयेश बुच**, निदेशक, एस्सार; **श्री एस.बी.दंगयाच**, प्रबंध निदेशक, सिंटेक्स; **श्री प्रविण गाँधी**, निदेशक, कार्पोरेट रिसर्च, अण्डरराइटर्स लैबोरेटरीज इंक; **श्री जेमी ग्राहम**, रिक्को इन्नोवेशन्स; **श्री संजय गुप्ता**, अध्यक्ष, नीसा ग्रुप; **श्री सुनिल हाण्डा**, संस्थापक एवं अध्यक्ष, फिफ्‌थ वेदा एंटरप्राइजेस; **श्री सुबीर हाजरा**, सह-उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, स्ट्राटेजिक प्लानिंग, दिल्ली अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अण्डा (प्रा) लि.; **श्री सतीस झा**, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, वन लैपटॉप पर चाइल्ड इंडिया; **डॉ. मलय महादेविया**, निदेशक, MPSEZ; **श्री डी.जे.पाण्डियन**, प्रधान सचिव, ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग; **श्री संतोष राय**, विक्रय अध्यक्ष –परिवहन व्यवसाय,HCC Ltd.; **प्रा. एस.वी.राजु**, पूर्व निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली; **श्री मंगु सिंह**, निदेशक (निर्माण), दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन तथा श्री समीर सिन्हा, संयुक्त प्रबंध निदेशक, सावी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रभृति का समावेश रहा । ISRO, NPCIL तथा NDMA जैसी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों सहित पैंतीस कंपनियों ने इस कॉन्क्लेव में भाग लिया और अपनी अपनी प्रदर्शनी लगाई । अमल्थिया 2011 आयोजन समिति में **अर्जिता शर्मा**, **भास्करज्योति दास** तथा **रोहित चौकसी** ने मुख्य भूमिका निभाई । इसकी विस्तृत जानकारी http://amalthea.iitgn. ac.in पर उपलब्ध है ।

महफिल-ए-आदाब : ऊर्दू काव्य संध्या

ऊर्दू लिपि एवं कविता विषय पर प्रदत्त दो आठ साप्ताहिक पाठ्यक्रमों का समापन 20 नवम्बर, 2011 को आयोजित ऊर्दू काव्य संध्या के माध्यम से सम्पन्न हुआ । यह पाठ्यक्रम सुश्री **हमीदा बानु चौपड़ा** (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कली) के द्वारा प्रदान किया गया था । सुश्री चौपड़ा और कुछ अन्य छात्रों (**स्वाती वर्मा**, **अदनान अंसारी**, **कंचन पटेल**, **आदित्य सामंत** तथा **एन.सी.पुनीत**) ने इस काव्यसंध्या में प्रसिद्ध ऊर्दू कवियों की कविताएँ पेश की। अहमदाबाद के प्रसिद्ध ऊर्दू कवि **सादिक नूर पठान**, **जयंत परमार** तथा **तनवीर अजिज सिद्दिकी** ने भी इस अवसर पर अपनी कविताओं का पाठ किया।

मीन मैकेनिक्स 2011

प्रथमवर्ष के छात्रों के लिए एक रोबोटिक कार्यशाला-सह-प्रतियोगिता का आयोजन 4 सितम्बर, 2011 को किया गया था । इसमें कुल अस्सी छात्रों ने भाग लिया । **अभिषेक संचेती**,

गौरव महामुनि तथा **वैभव माथुर** की टीम ने इस प्रतियोगिता में विजय प्राप्त किया जिन्हें पुरस्कार के रूप में प्रत्येक को 4उँ का पेन ड्राइव प्रदान किया गया । द्वितीय स्थान प्राप्त टीम (**आर्यन**, **शौर्य सेठ**, **उजास दवे** तथा **आकाश के. सिंह**) के प्रत्येक सदस्या को एक वैज्ञानिक परिकलित्र प्रदान किया गया । **प्रा. एन रामकृष्णन**, **प्रा. गिरीश सिंघल** और **प्रा. अमित प्रशान्त** के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का आयोजन **शशांक अग्रवाल**, **अक्षय जैन** तथा प्रतीक नयती के द्वारा किया गया ।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप को शिक्षा का महत्पूर्ण अंग माना जाता है । यह न केवल छात्रों को जीवन की वास्तविकताओं के प्रति जागरूक करता है अपितु उन्हें कक्षा में पढ़ायी जा रही अवधारणाओं को औद्योगिकी अथवा अनुसंधान कार्यों में अनुप्रयोग करने का भी सुनहरा अवसर प्रदान करता है । यह छात्रों को उन्हें अपनी स्वत: की प्रतिभा का मूल्यांकन तथा अपनी आगे की राह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । इसके माध्यम से छात्र अपनी योग्यता का मूल्यांकन कर अपने भावी जीवन संबंधी निर्णय लेने के योग्य बनते हैं । ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के इसी महत्व को ध्यान में रखते हुए संस्थान अपने छात्रों हेतु देश भर के उद्योगों तथा देश और विदेश के शिक्षा और शोध संस्थानों इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराता है । वर्ष 2011 के ग्रीष्म में संस्थान के कुल 158 छात्रों ने उद्योगों तथा शिक्षा एवं शोध संस्थानों में इंटर्नशिप के अवसर का लाभ उठाया । इनमें से 40 छात्रों ने भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर तथा एणऐ़ई बंगलौर जैसे शिक्षा संस्थानों में तथा 22 छात्रों ने विदेशी विश्वविद्यालयों जैसे कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, नॉटरडम विश्वविद्यालय तथा 96 छात्रों ने रिलायन्स उद्योग, नेशनल इन्स्ट्रूमेन्टस तथा टाटा स्टील में अपना इंटर्नशिप पूरा किया ।

जीवन दक्षता माला

प्रा. शर्मिष्ठा लाहिड़ी द्वारा समन्वयित निम्नांकित विषयों पर **जीवन दक्षता माला** कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनक केन्द्र विन्दु हमारे दैनिक जीवन के कार्यकलापों से संबंधित था ।

- **अपने स्वप्नों का अनुशरण करें**, वक्ता : **श्री अविक भण्डारी** तथा **सुश्री निधि कुश शाह**, छात्र नियोजन कार्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर, अप्रैल 7, 2011, लगभग 30 छात्रों ने इस कार्यशाला में भाग लिया ।
- **सकारात्मक सोच की शक्ति**, वक्ता : **सुश्री निधि कुश शाह**, अगस्त 26, 2011, लगभग 35 छात्रों ने इस में भाग लिया ।
- **तनाव प्रबंधन**, वक्ता : **डॉ. एम.पारिख** (एमडी), अहमदाबाद के एक प्रमुख मनोचिकित्सक, अक्तूबर 22, 2011 । इस कार्यक्रम में लगभग 30 छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया ।
- **नौकरी के अवसर : उन्हें कैसे प्राप्त करें** विषय पर एक कार्यशाला 6 जनवरी, 2012 को आयोजित की गयी थी जिसमें स्नातक होने वाले 180 छात्रों ने भाग लिया । इस कार्यशाला में स्नातक होने वाले कुछ छात्रों ने सफलतापूर्वक नौकरी प्राप्त करने के अपने अनुभव लोगों के साथ बांटे । **प्रा. अतुल भार्गव** अतिथि विशेषज्ञ थे । सत्र का समन्वयन **मैसम अलि**, **स्वाती वर्मा** तथा **कंचन पटेल** ने किया ।
- **बी.टेक. के बाद कॅरिअर के विकल्प** विषय पर एक कार्यशाला 30 मार्च 2012 को आयोजित की गयी थी । कई छात्रों ने 100 से अधिक छात्रों और कर्मचारियों की उपस्थिति में अपने विचार व्यक्त किए । **प्रा.अतुल भार्गव** अतिथि विशेषज्ञ और निर्णय धर्माधिकारी के रूप में कार्य किया ।

मुन्द्रा अतिक्राँतिक बिजली घर की यात्रा

प्रा. वेदान्त कदम्बी के द्वारा समन्वयित मुंद्रा अतिक्राँतिक बिजली घर की यात्रा का आयोजन 29 अक्तूबर 2011 को किया गया था । याँत्रिकी अभियाँत्रिकी के चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने इसमें भाग लिया और भारत में आधुनिक बिजली घर की प्रचालन जटिलताओं का अनुभव किया ।

अन्तर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जिमखाना शिखर सम्मेलन 2011

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के छात्र जिमखाना द्वारा 22-23 अक्तूबर 2011 के दौरान चतुर्थ अन्तर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जिमखाना शिखर सम्मेलन 2011 का आयोजन किया गया था । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गौहाटी, राजस्थान, मण्डी, रोपड़, इंदौर, मद्रास, हैदराबाद तथा गाँधीनगर के छात्र प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया तथा विचार-विमर्श किया । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर तथा मुंबई ने इस वार्ता में ऑन लाइन भाग लिया । इस शिखर वार्ता का मुख्य अंश रहा **श्री सुनिल पारेख**, संस्थापक एवं अध्यक्ष, पैन आई आई टी गुजरात एशोसिएशन तथा **प्रा. उत्पल शर्मा**, सेप्ट विश्वविद्यालय के साथ विचार मंथन ।

पाठ्यक्रमेत्तर कार्यकलाप

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में बी.टेक.छात्रों हेतु ग्रीष्मकालिन कैंप

जून 15, 2011 से आरंभ कर के चार सप्ताह का एक समर कैंप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के छात्रों के लिए चलाया गया । इस आयोजन के माध्यम से छात्रों को अपनी मौलिक प्रतिभा और सृजनात्मकता को अभिव्यक्त करने का मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया । कैंप के कार्यकलापों में अभियाँत्रिकी अभिकल्प की चुनौतियाँ जैसे अंध व्यक्तियों के लिए एक स्मार्ट छड़ी का अभिकल्पन, नाटक एवं सालसा नृत्य क्लास, विभिन्न खेलकूद के कार्यकलाप, ऐतिहासिक महत्व के पुस्तकों का वाचन तथा उद्योग के व्यावसायिकों द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन आदि का समावेश रहा ।

अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक त्यौहार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का पहले अन्तर-महाविद्यालय सांस्कृतिक त्यौहार जश्न का आयोजन 4-6 नवम्बर, 2011 के दौरान आयोजित किया गया । इस तीन दिवसीय त्यौहार के दौरान अनेक नये और पुराने कार्यक्रमों जैसे कला प्रदर्शनी, फोटोग्राफी प्रतियोगिता तथा भा प्रौ सं गाँधीनगर के संगीत क्लब द्वारा नृत्य और नाटक का कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया । आयोजन समिति के मुख्य सदस्य रहे – **निशंक जैन** (संयोजक), **अंकित संचेती**, **नीताई बजाज** तथा **अथर्व पाटिल** ।

ब्लिथक्रॉन 12 : सांस्कृतिक त्यौहार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के वार्षिक सांस्कृतिक त्यौहार ब्लिथक्रॉन 12 का आयोजन जनवरी 21-22, 2012 को किया गया जिसका मुख्य विषय था “Around the world in 48 hours”, अर्थात 48 घंटों में दुनिया की

परिक्रमा । इस वर्ष अनेक नये कार्यक्रमों जैसे पंच नामक फैशन शो, एक रॉक संगीत प्रतिस्पर्धा जिसको नाम दिया गया स्ट्रिंग थियरी, एक नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता जिसे अंतराग्नि की संज्ञा से अभिहित किया गया तथा बिजमार्क नामक बाजार रणनीति प्रतिस्पर्धा आदि का आयोजन किया गया । इस अवसर अन्य कार्यक्रमों में चेन्नई स्थित जंकयार्ड ग्रुव नामक रॉक कंसर्ट तथा सप्तक द्वारा एक शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम संगीत कार्यक्रमों में शुमार रहे । 10000 से भी अधिक लोगों ने इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया ।

अन्तर्राष्ट्रीय वन वर्ष

दिसम्बर 29, 2011 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर छात्रावास के आस-पास वृक्षारोपण कर अन्तर्राष्ट्रीय वन वर्ष समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर लगभग 60 पौधे लगाए गये । **प्रा.सुधीर के.जैन**, निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर तथा **श्री पुष्कर गणेश वैद्य**, भारतीय अंतरीक्षजीवविज्ञान अनुसंधान केन्द्र तथा आई वाई एफ कार्यक्रम के अध्यक्ष इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रह कर छात्रों का संबोधन किया । श्री वैद्य का व्याख्यान **फॉरेस्टस एण्ड एस्ट्रोबायोलॉजी - व्हाई दिस कोलवेरी डी?** अत्यंत सूचनाप्रद रहा जिसमें उन्होंने पर्यावरण संरक्षण से लेकर परग्रही जीवन और उनके बीच के संबंध आदि व्यापक मुद्दो पर चर्चा किया । इस कार्यक्रम के आयोजकों **सुस्मिता पूर्णिमा कोटू** (परिसर राजदूत-आईवाईएफ2011) तथा **ब्लिथक्रॉन ग्रीन इनिशिएटिव 2012** का उल्लेखनीय योगदान रहा ।

वर्ष 2011 की संगीत सनसनी (MuSTY)

संगीत सनसनी (MuSTY) की खोज मार्च 2011 आरंभ हुई । 15 में चुने गये 6 प्रतिभागियों ने 7 सितम्बर, 2011 को आयोजित ग्रांड फिनाल में दो राऊण्ड में प्रतिस्पर्धा किया । कार्यक्रम के दौरान उपस्थित दर्शकों ने एस एम एस के द्वारा उनके प्रदर्शन के लिए मतदान किया । तृतीय वर्ष के छात्र **गौरव दुबे** को MuSTY 2011 के खिताब से नवाजा गया । वर्ष 2010 के विजेता चेतस जोशी ने उसे रोलिंग ट्रॉफी प्रदान किया । इस कार्यक्रम में 282 वैद्य वोट पड़े थे । संपूर्ण कार्यक्रम का समन्वयन **कौस्तुभ तिपुड़े**, **अभिजित राजीव** तथा **निशंक जैन** ने किया ।

कॉग्नोबाइट्स - मस्तिष्क का विज्ञान

संस्थान के एक पीएच.डी. छात्र **सुमितावा मुखर्जी** ने एक ब्लॉग आरंभ किया है जिसका शीर्षक है CognoBytes (http://cognoBytes.wordpress.com). इस ब्लॉग का उद्देश्य बुद्धि विज्ञान तथा उसके व्यवहार और मस्तिष्क के संबंध में जागरूकता पैदा करना तथा संबंधित ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना है । **प्रा. जेसन मंजली** इस प्रयास को उत्साहपूर्वक सहयोग प्रदान कर रहे हैं ।

सिने एप्स

सिने एप्स एक ऐसा कार्यक्रम जिसमें प्रतिभागियों के सिनेमा संबंधी ज्ञान की प्रश्नोत्तरी और मूक अभिनय (डंब कराडेस) के द्वारा परख की जाती है, का आयोजन 4 सितम्बर 2011 को आयोजित किया गया था । चार सत्रों वाले व्यस्त राऊण्डों में आठ टीमों ने भाग लिया । द्वितीय वर्ष के छात्रों **अक्षय मल्ल**, **निसर्ग शाह**, **सुधांसु कृष्णा**, **अंकिता शर्मा** तथा **मनोज्ञा स्निग्धा पारिमी** ने इस कार्यक्रम में रू. 1000/- का पुरस्कार जीता।

अन्य छात्र कार्यकलाप

- **दीति व्यास**, अंग्रेजी की एक पीएच.डी. छात्रा ने बुक थेरेपी - रिडिंग इस हिलिंग विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । इस सम्मेलन का आयोजन बाल साहित्य लेखक एवं चित्रण संघ (AWIC), नई दिल्ली के द्वारा फरवरी 9-11, 2012 के दौरान किया गया था । सुश्री दीति व्यास को 400 सहयात्रियों के साथ कैलाश मानसरोवर यात्रा को पूर्ण करने के उपलक्ष में मुख्यमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी** ने 18 जनवरी, 2012 को सम्मानित किया ।
- संस्थान के तृतीय वर्ष के दो छात्रों **श्यामल किशोर** तथा **सुशांत कुमार सुमन** ने 6 जुलाई 2011 को अहमदाबाद के एल एण्ड सी मेहता कॉलेज के 45 अवरस्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए इंटरनेट जागरूकता विषय पर एक एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया ।
- प्रथमा के साथ मिलकर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के छात्रों ने 13 जनवरी 2012 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया । इस शिविर में 66 लोगों ने रक्तदान किया । छात्र समन्वयकों में **शशांक हेडा**, **प्रशांत वर्मा** तथा **पार्थ गुथका** का उल्लेखनीय योगदान रहा ।
- सुप्रसिद्ध सितारवादक **पं. शुभेन्द्र राव** ने स्पीकमेकी के अन्तर्गत 5 जनवरी, 2012 को एक ओजस्वी कार्यक्रम प्रस्तुत किया ।

विशेष अवसर

स्वतंत्रता दिवस समारोह

प्रा.सुधीर के.जैन, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर ने संस्थान में 15 अगस्त, 2011 का राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर देश के 65वें गणतंत्र दिवस का समारोह मनाया । इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्ना हजारे द्वारा प्रस्तावित लोकपाल बिल, विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । वाद-विवाद प्रतियोगिता में ईशान उपाध्याय और शिवम मणि त्रिपाठी ने जीत हाशिल किया और प्रत्येक को रू. 1000/- का नकद पुरस्कार दिया गया । वाद-विवाद प्रतियोगिता के पश्चात् भ्रष्टाचार विरोधी अभियान विषय पर एक चर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रा. संदीप पाण्डेय ने निर्णायक के रूप में कार्य किया ।

गणतत्र दिवस समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए देश के 63वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर 26 जनवरी 2012 को सुबह की पहली किरण के साथ ही ग्रीन रन का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान छात्र, संकाय सदस्य और कर्मचारियों ने भाग लिया । बाद में **प्रा. सुधीर के. जैन**, निदेशक ने राष्ट्रध्वज फहरा कर छात्रों का संबोधन किया । इस अवसर पर संस्थान के सुरक्षा कर्मचारी **श्री पृथ्वीश परमार** (SIS) तथा **श्री फिरोज के.मंसुरी** (GIFS) को उनके उल्लेखनीय व्यवहार और कर्तव्य परायणता के लिए सम्मानित किया गया । छात्रों को खेलकूद में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया । पुरस्कार पाने वालों में भार्गव कुमार थेड़ाम, **शिवानी रानी** तथा **सुरेश चौधरी** का नाम उल्लेखनीय है । कार्यक्रम का समापन छात्रों द्वारा देशभक्ति गीतों के प्रस्तुतीकरण के साथ हुआ ।

पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ

कैल्टेक अंतरीक्ष चुनौती में भा प्रौ सं छात्र के अभिकल्प को विजयश्री

संस्थान के विद्युत अभियाँत्रिकी की एक तृतीय वर्षी छात्रा **सुश्री अदिती दिघे कैल्टेक स्पेस चैलेंज** प्रतियोगिता में विजेता दल की सदस्या रही । यह प्रतियोगिता अमरीका के वर्तमान राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा प्रेरित एक एस्टराइड पर 2025 तक मानव मिशन भेजने के लिए अभिकल्प तैयार करने के लिए आयोजित की गयी थी । नासा के जेट प्रणोदन प्रयोगशाला, लॉकहीड-मार्टिन तथा आर्बिटल साइंस कार्पोरेशन के सौजन्य से कैल्टेक ने एक निर्धारित चयन प्रक्रिया के तहत 12 देशों से 32 छात्रों का चयन किया था । भारत से चुने गये 6 छात्रों में अदिती भी एक थी । 16 छात्रों से बनी प्रत्येक टीम को सितम्बर 12-16, 2011 के दौरान केक इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस स्टडिज, कैल्टेक में पाँच दिन व्यतीत करते हुए मानव मिशन हेतु एक अभिकल्प तैयार करना था जिसमें तीन अंतरिक्ष यात्री एक एस्टराइड पर जा सकें । अदिती ने मुख्यत: तीन पहलुओं : मानव निवास, विद्युत पावर तंत्र तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग पर कार्य किया । अभिकल्प के अन्य पक्षों में ट्राजेक्टरी, प्रणोदन, ऊष्मीय नियंत्रण तथा विज्ञान परीक्षण का समावेश रहा ।

संकायाध्यक्ष सूची (डीन्स लिस्ट) समारोह

8 सितम्बर 2011 को एक समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें 80 छात्रों को जो संकायाध्यक्ष सूची (डीन्स लिस्ट) के लिए योग्य पाये गये थे उन्हें सम्मानित किया गया । संस्थान में पहली बार आरंभ की गयी इस सूची के छात्रों को निदेशक **प्रा. सुधीर के. जैन** के हाथों से एक प्रशस्तिपत्र और एक पुस्तक (A Rainbow in the Night by Dominique Lapierre) प्रदान की गयी । 99 अवरस्नातक छात्रों और एक एम.टेक. छात्र ने द्वितीय संकायाध्यक्ष सूची में स्थान पाया । यह सूची फरवरी 10, 2012 को घोषित की गयी । प्रा. सुधीर के. जैन ने इन छात्रों को भी एक प्रशस्ति पत्र और पुस्तक (Everybody loves a good drought by P. Sainath) प्रदान कर के सम्मानित किया । इन सूचियों का संपूर्ण विवरण संस्थान के अग्रांकित वेब साइट पर उपलब्ध है - http://www.iitgn.ac.in/pdf/Deans_list.pdf.

खेलकूद में विशिष्ट पुरस्कार

विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संस्थान के छात्रों को वर्ष 2010-11 हेतु निम्नांकित विशिष्ट पुरस्कार 21 अप्रैल, 2011 को प्रदान किए गये ।

वर्ष 2010-11 खेल पुरूष पुरस्कार

- **सुरेश चौधरी**
  वर्ष 2010-11 उभरता खिलाड़ी पुरस्कार
- **अमेय जोशी**
  बैडमिंटन ओपन चैंपियन
- **हर्ष पालीवाल**
  अंत:विभागीय शतरंज विजेता
- **मनु बंसल**
  पुरूष सामान्य चैंपियनशिप विजेता
- **विद्युत अभियाँत्रिकी विभाग टीम**
  महिला सामान्य चैंपियनशिप विजेत
- **रासायनिक अभियाँत्रिकी विभाग**
  वर्ष 2010-11 सर्वोत्कृष्ट पुरूष टीम
- **बॉस्केटबॉल टीम**
  वर्ष 2010-11 सर्वोत्कृष्ट महिला टीम
- **बैडमिंटन टीम**

खेल समाचार

हल्ला बोल

हल्लाबोल का द्वितीय संस्करण , संपूर्ण रात्रि अन्तर महाविद्यालय खेलकूद महोत्सव (मार्च 17-25, 2012), फूटसाल, टच रग्बी, कबड्डी, डाडगेबॉल, गली क्रिकेट, सितोली, खो-खो तथा रस्सा खींच जैसे दस खेलों के लिए 2100 से अधिक प्रतिभागियों के पंजीकरण का साक्षी रहा । संस्थान के अपने 85 प्रतिशत से भी अधिक अवरस्नातक छात्रों ने औसतन 6-7 खेल स्पर्धाओं में भाग लिया । हल्लाबोल के माध्यम से यह स्पष्ट रूप से देखा गया कि संस्थान के छात्रों में खेलों के प्रति काफी गहरी रूचि है । यह इस बात से भी प्रमाणित होता है कि 9 दिन चलने वाले इस खेल महोत्सव में 400 मैच खेले गये । संस्थान के मुख्य आयोजक टीम के 40 सदस्यों और 40 स्वयं सेवकों ने इस खेल महोत्सव को सफल बनाने के लिए अथक रूप से कार्य किया और इस बात को सुनिश्चित किया कि सभी स्पर्धाएँ निर्बाध रूप से सम्पन्न हो सकें । संपूर्ण आयोजन का समन्वयन **मोहक पटेल** और **विश्वेन्द्र जोशी** ने किया ।

अन्तर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तैराकी महोत्सव 2011

ऐतिहासिक दृष्टि से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के प्रथम वर्ष का छात्र - पार्थ साने विश्वास, अन्तर-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मीट में स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला छात्र बना । उसने 50 मीटर बटरफ्लाई प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक और 100 मीटर बैक स्ट्रोक प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया । वृषकेतु पाटील को 200 मीटर बैक स्ट्रोक प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ । भाग लेने वाले ग्याहर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनकर को पाँचवा स्थान प्राप्त हुआ ।

47वाँ अन्तर-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खेल महोत्सव 2011

शिवानी रानी (एम.टेक. छात्र) ने गोला फेंक प्रतियोगिता में 7.92 मीटर दूर गोला फेंक कर रजत पदक और चक्र फेंक प्रतियोगिता में 23.06 मीटर दूर फेंक कर काँस्य पदक प्राप्त किया । **भार्गव कुमार थेड़ाम** (चतुर्थ वर्षीय बी.टेक. छात्र) ने भाला फेंक प्रतियोगिता में 46.10 मीटर दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। **सुरेश चौधरी** (तृतीय वर्षीय बी.टेक. छात्र) ने 5000 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में 16:38:70 मिनट के सराहनीय टाइमिंग का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया

खेल महाकुंभ में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर को बॉस्केट बॉल में जीत

भारतीय प्रौद्योगिकी संसथान गाँधीनगर की दोनो महिला एवं पुरूष बॉस्केट बॉल टीमों ने गुजरात सरकार द्वारा दिसम्बर 1, 2011 को आयोजित खेल महाकुंभ में जीत हाशिल किया । दोनो टीमों के प्रत्येक खिलाड़ी को उनके प्रदर्शन के लिए रू. 3000/-का नकद पुरस्कार प्राप्त हुआ । **सुरेश चौधरी**, **विश्वेन्द्र जोशी**, **ऋतु गवासने**, **दिव्या बंसल**, **शिवानी रानी**, **मिशिता जायसवाल** तथा **अंकिता शर्मा** ने अपने प्रदर्शन के माध्यम से अपनी अलग पहचान कायम किया ।

पेट्रो कप ’12

25-29 जनवरी 2012 के दौरान पी डी पी यू द्वारा आयोजित खेल महोत्सव- **पेट्रो कप ’12** में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के छात्रों ने भाग लिया और अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत हाशिल किया । भागर्व कुमार थेड़ाम (भाला फेंक) तथा शिवानी रानी (गोला फेंक एवं चक्र फेंक) में स्पर्ण पदक प्राप्त किया । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर ने पुरूष सामान्य चैंपियनशिप तथा महिला बास्केटबॉल टूर्नामेंट में सामान्य चैंपियनशिप प्राप्त किया । शतरंज टीम ने रजत पदक जीता । उल्लेखनीय है कि गौरव सैनी टूर्नामेंट में अंत तक अविजीत रहे ।

अन्तर - विभागीय बॉस्केटबॉल चैंपियनशिप

जनवरी 18, 2012 को आयोजित अंतर-विभागीय बॉस्केट बॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता में यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी विभाग को 67-55 से हराकर रासायनिक अभियाँत्रिकी विभाग ने अपना चैंपियनशिप खिताब बरकरार रखा । **रवि पाल**, **विश्वेन्द्र जोशी** तथा **आदित्य सामन्त** का काबिलेदाद प्रदर्शन रहा ।

अन्य खेलकूद प्रतिस्पर्धाएँ

- कॉन्कर्स 2011 – DAIICT द्वारा अयोजित वार्षिक खेल महोत्सव में संस्थान के बैडमिंटन महिलाओं (**श्रुति जैन** तथा **स्वाती वर्मा**) ने घरेलु टीम को हरा कर बैडमिंटिन चैंपियनशिप में खिताबी जीत हाशिल किया । यह प्रतियोगिता 3 अप्रैल 2011 को आयोजित की गयी थी ।
- पुरूष टेबल टेनिस टीम (**चेतस जोशी**, **स्पंदन ज्याति दास** तथा **एन.सी.पुनीत**) ने गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय , DAIICT तथा LDRP प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान संस्थान गाँधीनगर के विरूद्ध खिताबी जीत हाशिल की । यह प्रतियोगिता 1-3 अप्रैल, 2011 के दौरान आयोजित की गयी थी ।
- पुरूष शतरंज टीम (**मनु संबल**, **राम प्रकाश**, **अक्षय विश्नोई**, **प्रतीक ठक्कर** तथा **अक्षय नवलखा**) ने DAIICT तथा LDRP प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान संस्थान गाँधीनगर के विरूद्ध खिताबी जीत हाशिल की । यह प्रतियोगिता 2-3 अप्रैल, 2011 के दौरान आयोजित की गयी थी ।
- पुरूष बैडमिंटन टीम (**हर्ष पालीवाल** तथा **ईशान टेम्भेरकर**) ने गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, तथा DAIICT के विरूद्ध खिताबी जीत हाशिल की । यह प्रतियोगिता 1-2 अप्रैल, 2011 के दौरान आयोजित की गयी थी ।
- पुरूष बैडमिंटन टीम ने श्री राम स्कूल गुडगाँव, हरियाणा के खिलाफ 1 सितम्बर 2011 को सुरेश चौधरी के सराहनिय प्रदर्शन से जीत हाशिल किया । टीम को 17 सितम्बर 2011 को आयोजित DAIICT के विरूद्ध प्रतियोगिता में भी विजय प्राप्त हुई ।
- पुरूष फूटबॉल टीम ने 4 सितम्बर, 2011 को गाँधीनगर पुलिस 11 के खिलाफ एक दोस्ताना मैच खेला । मैच का समापन बिना किसी निर्णय के हुआ । इस मैच में **हिमांशु देवांगन**, **पराग प्रदीप**, **जाय नारंग** तथा **अभिनव बोरकर** का सराहनीय प्रदर्शन रहा । 17 सितम्बर 2011 को आयोजित DAIICT के विरूद्ध मैच में टीम ने 2-1 से विजय प्राप्त किया । इस मैच में मैसम अलि डायरकी का सराहनीय प्रदर्शन देखा गया ।
- पुरूष क्रिकेट टीम ने 18 सितम्बर, 2011 को DAIICT के विरूद्ध खेले गये मैच में विजय प्राप्त किया । **नीतिश भाजे**, **सुजय यादव**, **ऋतुपर्ण** तथा **अंकुर मीणा** ने उल्लेखनीय खेल का प्रदर्शन किया।
- पुरूष बॉलीबॉल टीम ने PDPU गाँधीनगर के खिलाफ

खेलते हुए 3-0 से विजयश्री प्राप्त किया । यह मैच 22 सितम्बर, 2011 को आयोजित किया गया था । इसी टीम ने 18 अक्तूबर, 2001 को DAIICT के विरूद्ध खेलते हुए भी 3-0 से जीत हाशिल किया ।

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की टीम ने पीएच.डी. तथा एम.टेक. छात्रों की टीम के साथ बॉलीबॉल का दोस्ताना मैच खेल कर जीत हाशिल किया । यह मैच 17 अक्तूबर, 2011 को आयोजित किया गया था ।
- 10 एवं 11 दिसम्बर, 2011 को बडौदा में आयोजित अखिल गुजरात कराटे टूर्नामेंट में संस्थान के तृतीय वर्षीय छात्र **भाविन चौहान** ने काँस्य पदक प्राप्त किया ।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

अन्य घटनाएँ एवं कार्यकलाप
बाहर तक पहुँच

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात विश्वविद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों के साथ रोमांचक संबंध स्थापित कर रहा है । समीक्षा वर्ष के दौरान ऐसे अनेक प्रगाढ़ संबंध स्थापित किए गये जिससे संस्थान के छात्रों और संकाय सदस्यों का हितसाधन हो सके ।

कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, पसादेना, अमरीका

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर और अमरीका के सबसे प्रतिष्ठित अभियाँत्रिकी संस्थानों में से एक कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ एक प्रगाढ़ संबंध स्थापित किया गया है । दोनो संस्थानों के बीच जून 23, 2011 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया जिसके अन्तर्गत दोनो संस्थानों के छात्रों का आपस में विनियम किया जा सके । भा प्रौ सं गाँधीनगर के विद्युत अभियाँत्रिकी विभाग के छात्र **प्रशांत अशोक बोर्डे** तथा **प्रथमेश अरविंद जुवाटकर** तथा याँत्रिकी अभियाँत्रिकी विभाग के **ईशान देवदत्त टेम्भेरकर** ने वर्ष 2011 का अपना ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कैल्टेक में पूर्ण किया । अन्य छ: छात्रों (**श्रुति जैन** (रासायनिक अभि.), **जैनिल पारेख** (विद्युत अभि.), **प्रीतेश संख्ये** (विद्युत अभि.), **सत्येन्द्र सिंह जादौन** (विद्युत अभि.), **रोहित चौकसी** (याँत्रिकी अभि.), तथा **मोहक पटेल** (याँत्रिकी अभि.) वर्ष 2012 का ग्रीष्मकालिन इंटर्नशिप कैल्टेक में करेंगे । कैल्टेक में अपने इंटर्नशिप से प्रेरित होकर याँत्रिकी अभियाँत्रिकी के दो छात्र **ईशान टेम्भेरकर** तथा **नील नाडकर्णी** ने आगामी सत्र से कैल्टेक में पीएच.डी करने का निर्णय लिया है ।

दिसम्बर 12-21, 2011 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम - **इंडिया की खोज** में कैल्टेक तथा भा प्रौ सं गाँधीनगर के दस-दस छात्रों ने भाग लिया। दोनो संस्थान के छात्रों ने मिलकर इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के भूत, वर्तमान और भविष्य की एक खोजपूर्ण यात्रा किया । इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रख्यात नृत्यांगना एवं कार्यकर्ता **डॉ. मल्लिका साराभाई** के द्वारा किया गया। **श्री माइकल डेनिनो**, **प्रा. सुगुणा रामनाथन**, **श्री संतोष देसाई**, **प्रा. हावर्ड स्पोडेक** तथा **डॉ. संदीप पाण्डेय** जैसे प्रख्यात शिक्षाविद् एवं विचारकों के व्याख्यानों के साथ साथ इन छात्रों को हड़प्पा सभ्यता के नगरावशेष लोथल, साबरमती आश्रम तथा तेजगढ (जनजातिय भाषा एवं पहचान केन्द्र : भाषा) आदि का फिल्ड ट्रीप करने का भी मौका मिला। संपूर्ण कार्यक्रम का समन्वयन **प्रा. रीता कोठारी** तथा **प्रा. जेसन मंजली**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर तथा **सुश्री एथेना कास्ट्रो**, कैल्टेक के द्वारा किया गया।

वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लूइस, अमरीका

वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लूइस, अमरीका प्रतिवर्ष हमारे छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करता है । यह सब प्रा. प्रतिम विश्वास के उदार सहयोग के कारण ही संभव हो सका है । निम्नांकित छात्रों ने इस संबंध का लाभ उठाया है: ग्रीष्मकाल 2010: **जीनम जिंदल**, **लव गुप्ता** तथा **योगेश गोयल**, ग्रीष्मकाल 2011: **श्रुति जैन**, **प्रत्युल कपूर** तथा **कंचन पटेल**, ग्रीष्मकाल 2012 में दो और छात्र यहाँ इंटर्नशिप करेंगे: **शालिनी कावड़िया** तथा **आकांक्षा जगवाणी**

ड्यूक विश्वविद्यालय, दरहम, अमरीका

ड्यूक विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान के **प्रा. किशोर त्रिवेदी** ने संस्थान का दो बार दौरा किया तथा आपसी सहयोग स्थापित करने के संदर्भ में विचार-विमर्श करने के साथ-साथ वार्ता भी प्रस्तुत किया । तीन छात्रों - **नरेन्द्रनाथ बी.**, **सुभाष कुंचे** तथा **अदिती दिघे** आगामी ग्रीष्म 2012 में अपना ग्रीष्मकालिन इंटर्नशिप संभवत: ड्यूक से ही करेंगे ।

नान्यांग प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर

प्रा.टी.सी.पान, तत्कालीन संकायाध्यक्ष, अभियाँत्रिकी, एन टी यू ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का दौरा किया और भा प्रौ सं गाँधीनगर में सहयोजित कार्य के लिए अपना सहयोग दे रहे हैं । चार छात्र - **परिचिता कपूर**, **अंकित अग्रवाल**, **नीतेश गुप्ता** तथा **प्रेरित तेरवे** ने सन् 2010 में अपना ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप एन टी यू से पूर्ण किया था । **मनु बंसल**, **अंकित अग्रवाल** तथा **विशाल माहेश्वरी** ने भी ग्रीष्म 2011 में अपना इंटर्नशिप एन टी यू से ही पूरा किया ।

सास्केचवान विश्वविद्यालय, सास्कतून, कनाडा

प्रा. एरिन बारबर, संकायाध्यक्ष, अभियाँत्रिकी महाविद्यालय तथा **प्रा. कारेन चाड**, उपाध्यक्ष, अनुसंधान ने विभिन्न अवसरों पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का दौरा किया । **प्रा. अजय दलाई**, सह-संकायाध्यक्ष अनुसंधान एवं सहभागिता ने अपने साथ प्राध्यापकों और प्रशासकों का एक 13 सदस्यीय शिष्टमण्डल लेकर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का दौरा कर के आपसी सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया । संभवत: **मोहित वर्मा** सास्केचवान विश्वविद्यालय में ग्रीष्म इंटर्नशिप के लिए जाए और प्रा. जैन, निदेशक भी संभवत: 2012 में उनके यहाँ एक भेंट देने के लिए जाएंगे ।

एकोल पॉलिटेक्निक फेडराले डी लौसाने, स्वीटजर्लैण्ड

प्रा. सुधीर कुमार जैन, निदेशक, भा प्रौ सं गाँधीनगर ने एकोल पॉलिटेक्निक फेडराले डी लौसाने, स्वीटजर्लैण्ड का दौरा किया और आपसी सहयोग के संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया । इसके पश्चात् **प्रा. अमित प्रशांत** ने भी ई पी एफ एल का दौरा किया । **प्रा. जॉन सी. बादौ**, पूर्व अध्यक्ष, ई पी एफ एल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में कई दिन बिताए ।

ई पी एफ एल के कई अन्य प्राध्यापक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में दौरा कर चुके हैं तथा आधे-सत्र के लिए अथवा अल्पावधि पाठ्यक्रम भी प्रदान किए हैं । इनमें **प्रा. इयान एफ सी स्मिथ**, **प्रा. क्लौडे पेटिटपियरे** तथा **प्रा. नौफेल सी** को शामिल किया जा सकता है । हमारे अवर स्नातक छात्र **प्रकाश कुमार उत्तम** ने अपना 2011 का ग्रीष्मकालिन इंटर्नशिप ई पी एफ एल से पूर्ण किया ।

र्होडे आइलैण्ड यूनिवर्सिटी, किंग्स्टन, अमरीका

प्रा अरूण शुक्ला ने ग्रीष्म 2011 के दौरान हमारे संस्थान के याँत्रिकी अभियाँत्रिकी के दो छात्रों **नील नाडकर्णी** तथा **पंकज यादव** को अपनी प्रयोगशाला में ग्रीष्म इंटर्नशिप का अवसर प्रदान किया । याँत्रिकी अभियाँत्रिकी का ही एक अन्य छात्र **श्यामल किशोर** भी आगामी ग्रीष्म 2012 में यहाँ से अपना इंटर्नशिप करने वाला है ।

द जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, अमरीका

द जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, अमरीका तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के कुछ संकाय सदस्य भा प्रौ सं गाँधीनगर में एक जैवचिकित्सा अभियाँत्रिकी प्रयोगशाला स्थापित करने तथा आपस में मिलकर अनुसंधान कार्य करने संबंधी संभावित सहयोग के लिए विचार-विमर्श कर रहे हैं । इस चर्चा के एक भाग के रूप में **प्रा. जॉयसी मेकी** ने लगभग एक सप्ताह के लिए द जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, अमरीका के जैवचिकित्सा अभियाँत्रिकी विभाग का दौरा किया। **प्रा. नितीश ठाकोर**, द जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, अमरीका के सौजन्य से प्रस्तावित जैवचिकित्सा अभियाँत्रिकी प्रयोगशाला अब आकार ग्रहण करने लगी है । छात्रों को भी इस प्रकार के कठिन विषय तथा इसकी चुनौतियों के प्रति जागरूक करने के प्रयास के तहत संस्थान के छात्रों नील **प्रशांत नाडकर्णी** (याँत्रिकी), **ललिता अनुषा** (विद्युत) तथा **निशांत शिरिष जोशी** (विद्युत) को अपना इंटर्नशिप पूरा करने के लिए 2010 में द जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, अमरीका भेजा गया था । वर्ष 2011 में दो और छात्र **नितीश भाजे** तथा **सार्थक जैन** (दोनो विद्युत) को इंटर्नशिप के लिए द जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, अमरीका भेजा जाएगा । द जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, अमरीका में आरंभ किए गये अपने कार्य को ये छात्र यहाँ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में भी जारी रखे हुए हैं । यह छात्र अन्य छात्रों को भी सीखा रहे हैं ।

नाटेरडम विश्वविद्यालय, इंडियाना, अमरीका

नाटेरडम विश्वविद्यालय, इंडियाना, अमरीका और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में आपसी संबंधों को और प्रगाढ़ करने की दृष्टि से **ND-IITGN स्नातक असुंधान अध्येतावृत्ति** का शुभारंभ किया गया है । अपेक्षा है कि इस संबंध से दोनो संस्थानों में दीर्घावधि अनुसंधान और शैक्षिक सहयोग बढ़ेंगे । वर्ष 2012 से आरंभ हो कर यह अध्येतावृत्ति प्रतिवर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के एक छात्र को प्रदान की जाएगी जो नाटेरडम विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियाँत्रिकी में पीएच.डी कर सके । प्रत्याशी का शैक्षिक प्रतिपादन तथा अनुसंधान के प्रति संभावनाएँ ही इस अध्येतावृत्ति को प्राप्त करने के आधार होंगे । विद्युत अभियाँत्रिकी विभाग के अंतिम वर्ष के एक छात्र **सौरभ हितेन नागरेचा** को सर्वप्रथम इस अध्येतावृत्ति को प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है । ग्रीष्म 2011 दौरान **सौरभ हितेन नागरेचा** तथा **किशोर रथनवेल** (विद्युत) ने अपना इंटर्नशिप यहाँ से पूर्ण किया था । वर्ष 2012 के ग्रीष्म में **शुभम रांका**, तृतीय वर्ष विद्युत अभियाँत्रिकी छात्र को यह मौका मिलेगा । **प्रा. नितेश चावला**, नाटेरडम विश्वविद्यालय के सार्थक प्रयासों के कारण यह संबंध स्थापित हो सका है ।

वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सीट्टल, अमरीका

वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सीट्टल, अमरीका के **प्रा. बिपिन कुमार** ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का दो बार दौरा किया । एक दौरे में उनके साथ **प्रा.पेर रैनहॉल**, अध्यक्ष, याँत्रिकी अभियाँत्रिकी भी पधारे थे जिसके परिणामस्वरूप विचार-विमर्श के पश्चात 12 दिसम्बर 2011 को निम्नांकित विषयों से संबंधित एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ-

1. छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए सार्वभौमिक शिक्षा का अनुभव प्राप्त करने को प्रोत्साहित करना ।
2. पारस्परिक सहयोग और सहयोजित शिक्षा एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करना ।

संस्थान के दो छात्र **अभिजीत राजीव** और **वरूण गुप्ता** आगामी ग्रीष्म 2012 में अपना इंटर्नशिप वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सीट्टल, अमरीका से करेंगे ।

ISCTE - लिस्बन विश्वविद्यालय संस्थान

रेक्टर के आमंत्रण पर **प्रा. सुधीर के. जैन** तथा **प्रा. जेसन मंजली** ने मई 24-29, 2011 के दौरान **ISCTE - लिस्बन विश्वविद्यालय संस्थान** का दौरा किया । आपसी अभिरूचि के अनेक शैक्षिक मामलों पर विचार-विर्मश हुआ और शैक्षिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया । ISCTE - लिस्बन विश्वविद्यालय संस्थान की प्राध्यापक **रोजा मारिया पेरेज** ने संस्थान में शैक्षिक वर्ष 2011-12 के द्वितीय सत्र में यहाँ के छात्रों को नृविज्ञान पर एक पाठ्यक्रम पढ़ाया जिसे हमारे छात्रों ने बहुत अच्छे से ग्रहण किया । इस सहयोग से ऐसे और अनेक अवसर उपलब्ध होंगे इसकी आशा की जा सकती है ।

अण्डर्राइटर्स प्रयोगशाला नार्थब्रुक, अमरीका

शिकागो के समीप स्थित नार्थब्रुक की अण्डर्राइटर्स प्रयोगशाला, सुरक्षा उत्पादों विशेषकर अग्नि सुरक्षा उत्पादों के क्षेत्र में विश्वविख्यात है । यू एल हमारे छात्रों को सुरक्षा उत्पादों के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिए सुअवसर प्रदान कर रहा है ।

वर्ष 2010 के ग्रीष्म में संस्थान के छः छात्रों - **विवेक यादव**, **अभिषेक उमराव** तथा **दिव्यांक सिंह**, सभी रासायनिक अभियाँत्रिकी; **अदनान अहमद अंसारी** तथा **अंचित गौरव**, दोनो यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी तथा **सूर्यप्रकाश सिन्हा**, विद्युत अभियाँत्रिकी ने अण्डर्राइटर्स प्रयोगशाला से अपना इंटर्नशिप पूरा किया । पाँच अन्य छात्रों (**शुभम चौहान**, **दिव्यांक सिंह**, **अभिलाष पटेल**, **अभिषेक कंडोई** तथा **मैसम डायर्की**) ग्रीष्म 2012 में यू एल शिकागो में इंटर्नशिप करेंगे और साथ ही पीवी लैब्स, केस वेस्टर्न रिसर्व यूनिवर्सिटी, क्लिवलैण्ड अमरीका में भी समय व्यतीत करेंगे । इस अवसर के लिए छात्रों में प्रतिस्पर्धा होती है और अक्सर बहुत बड़ी संख्या में छात्र इस प्रतियोगिता में भाग लेते हैं । संस्थान के छात्रों को हर बार प्रतिस्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन कर के चुनाव होता रहा है ।

संस्थान के छात्रों ने **प्रा. चिन्मय घोरोई** के मार्गदर्शन में संस्थान परिसर में भा प्रौ सं गाँधीनगर - यू एल रसोईघर अग्नि प्रयोगशाला स्थापित किया है। 18 अप्रैल 2011 को अण्डर्राइटर्स प्रयोगशाला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष **श्री अगस्त डब्ल्यू. शेफर** तथा उनके कुछ सहयोगियों के संस्थान दौरे के समय तीन अवरस्नातक छात्र **अंचित गौरव**, **अदनान असांरी** तथा **अभिषेक उमराव** ने उनके समक्ष रसोईघर अग्नि प्रयोगशाला की व्यवस्था और कार्य प्रणाली का सजीव प्रदर्शन किया । छात्रों ने भारत में रसोईघर अग्नि सुरक्षा पर संचित राष्ट्रीय अग्नि आँकड़ासंचय का भी पॉवरपॉइंट प्रस्तुतीकरण किया ।

संस्थान के तृतीय वर्ष विद्युत अभियाँत्रिकी के छात्र **सूर्यप्रकाश सिन्हा** को मुंबई में 19 जुलाई 2011 के दौरान आयोजित यूएल सुरक्षा संगोष्ठि में आमंत्रित किया गया था ताकि वह अपनी टीम - **श्रुति जैन**, **एकता प्रश्नानी** तथा **दिव्यांक सिंह** द्वारा किए गये कार्यों का प्रस्तुतिकरण कर सके

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर - रिको इन्वोवेशन्स इंक (RII)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर और रिको इन्वोवेशन्स इंक (RII), अमरीका दोनो मिलकर आपसी अभिरूचि के महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर सहयोजित कार्य करते हैं । एक परामर्शदायी परियोजना जिसका शीर्षक है - डेवलपमेंट ऑफ ए यूजर इंटरफेस फॉर फैसिलिटेटिंग लिटरेचर सर्च, का प्रायोजन रिको इन्वोवेशन्स इंक (RII), अमरीका ने किया है। **प्रा. सुप्रीत सैनी**, रासायनिक अभियाँत्रिकी विभाग ने इस परियोजना का समन्वयन किया। ग्रीष्म 2011 में संस्थान के रासायनिक अभियाँत्रिकी की एक छात्रा **अदिती गुप्ता** ने रिको इन्वोवेशन्स इंक, कैलिफोर्निया में अपना इंटर्नशिप पूरा किया जबकि **तारकेश्वर सिंह** और **दिव्यांक सिंह** ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में ही रह कर कार्य किया ।

श्री हिदेकी शेगावा, उप महाप्रबंधक, रिक्को कंपनी लि. टोकियो तथा उनकी सहयोगी **सुश्री इको नाकामोतो** तथा **सुश्री र्योखो इजो** ने 5 मई 2011 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का दौरा किया और सामाजिक उद्यमशीलता के क्षेत्र में संभावित सहयोग के लिए विचार-विमर्श किया ।

रिको इन्वोवेशन्स इंक (RII) के अध्यक्ष **डॉ. निखिल बलराम**, रिको इन्वोवेशन्स इंक में कार्यभार ग्रहण करने के पहले से ही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में अतिथि प्राध्यापक के रूप में जुड़े हुए हैं । ये नियमित रूप से संस्थान का दौरा करते हैं और व्याख्यान तथा छात्र परियोजनाओं का मर्गदर्शन करते रहते हैं ।

अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से समझौता ज्ञापन

अनुक्रम	संस्थान	उद्देश्य	समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर तिथि
1	इंस्टीट्यूट सुपिरियर डी इलेक्ट्रॉनिक डी पेरिस (ISEP)	दोनो संस्थानों के बीच शैक्षिक और वैज्ञानिक संबंध विकसित करना	फरवरी 25, 2011
2	इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स, पिस्कैटवे, न्यू जर्सी, अमरीका	अभियाँत्रिकी संकाय विकास आरंभिक कार्यक्रम हेतु रूपरूखा तैयार करना	अक्तूबर 1, 2011
3	फ्रॉस दूतावास	फैंच भाषा शिक्षण कार्यक्रम	जनवरी 27, 2012
4	आई एच पी गम्बोल्ट, जर्मनी	अर्धचालक युक्ति अनुसंधान में सहयोग	सितम्बर 28, 2011
5	मसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, लॉवेल	अनुसंधान सहयोग एवं छात्र तथा संकाय सदस्य विनिमय	मई 7, 2012

प्रथम बैच के छात्रों के नाम जो संभवत: अमरीका में उच्चाध्ययन के लिए जाएँ

अनुक्रम	नाम	संस्थान	कार्यक्रम	भा प्रौ सं गाँधीनगर का विभाग
1	ईशान टेम्भेरकर	कैल्टेक, अमरीका	पीएच.डी	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी
2	नील नाडकर्णी	कैल्टेक, अमरीका	पीएच.डी	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी
3	स्वेतावा गाँगुली	स्टानफोर्ड विश्वविद्यालय	पीएच.डी	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी
4	नितीश रतन	कैलिफोनिर्यया विवि, मर्सेड	पीएच.डी	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी
5	योगेश गोयल	प्रीन्सटॉन विश्वविद्यालय	पीएच.डी	रासायनिक अभियाँत्रिकी
6	लव गुप्ता	स्टानफोर्ड विश्वविद्यालय	एम.एस.	रासायनिक अभियाँत्रिकी
7	विवेक यादव	ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, अमरीका	पीएच.डी	रासायनिक अभियाँत्रिकी
8	प्रेरित तेरवे	मिशिगन विवि, अन्न ऑर्बर	एम.एस.	विद्युत अभियाँत्रिकी
9	सौरभ नागरेचा	नाटेरडम विवि, अमरीका	पीएच.डी	विद्युत अभियाँत्रिकी

विदेशी विश्वविद्यालयों / संगठनों में ग्रीष्म इंटर्नशिप

अनुक्रम	संस्थान	छात्र का नाम	विभाग	इंटर्नशिप वर्ष
1	इकोल नेशनेले सुपिरियेरे ऑफ आर्किटेक्चर डी माण्टेपिलेर (ENSAM) फ्रांस	स्वेतावा गाँगुली	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी	2010-2011
2	नान्यांग प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर	परिचिता कापुर, अंकित अग्रवाल, नितेश गुप्ता तथा प्रेरित तेरवे	विद्युत अभियाँत्रिकी	2010
		मनु बंसल, अंकित अग्रवाल तथा विशाल महेश्वरी		2011
3	सिट्रीक्स सिस्टम्स इंक, सैन फ्रांसिस्को	तन्मय हीरालल बलवा	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी	2011
4	डचशेयर अकेडमीशेयर आस्ट्रेस्क डैनेस्ट (डाड) जर्मनी	लव गुप्ता	रासायनिक अभियाँत्रिकी	2011
5	इकोल पॉलिटेक्निक फेडरेले डी लौसाने (ई पी एफ एल) फ्रांस	प्रकाश कुमार उत्तम	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी	2011
6	ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, अमरीका	विवेक यादव	रासायनिक अभियाँत्रिकी	2011
7	र्होडे आईलैण्ड विश्वविद्यालय, अमरीका	नील-प्रशांत नाडकर्णी तथा पंकज कुमार यादव	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी	2011
		श्यामल किशोर		2012
8	दक्षिण कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, अमरीका	प्रेरित तेरवे	विद्युत अभियाँत्रिकी	2011
9	ड्यूक विश्वविद्यालय, अमरीका	नरेन्द्रनाथ बी., सुभाष कुंचे तथा अदिती दिघे	विद्युत अभियाँत्रिकी	2012
10	ई पी आई आर टेक्नॉलॉजीस इंक, बोलिंगब्रुक, आई एल, अमरीका	शशांक नेफाडे तथा अक्षय नवलखा	विद्युत अभियाँत्रिकी	2012
11	सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	चेतस जोशी	विद्युत अभियाँत्रिकी	2012
12	सिरैकस विश्वविद्याल	शुभम अग्रवाल	विद्युत अभियाँत्रिकी	2012
13	सासेक्चवान विश्वविद्यालय, अमरीका	मोहित वर्मा	रासायनिक अभियाँत्रिकी	2012
14	स्ट्रेथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगाऊ स्कॉटलैण्ड	ध्रुव चौकशी	विद्युत अभियाँत्रिकी	2011
		प्रशांत पटेल	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी	2012
15	विस्काँसिन-मैडिसन विश्वविद्याल, मैडिसन, डब्ल्यू आई, अमरीका	सुष्मिता पूर्णिमा कोटू	रासायनिक अभियाँत्रिकी	2012
16	नाटेरडम विश्वविद्यालय, नाटेरडम, इंडियाना	सौरभ हितेन नागरेचा, किशोर आर	विद्युत अभियाँत्रिकी	2011
		शुभम रांका		2012
17	वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिटेल, डब्ल्यू ए	अभिजीत राजीव, वरूण गुप्ता	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी	2012
18	वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लूइस, मिसौरी	जीनम जिन्दल, लव गुप्ता, योगेश गोयल	रासायनिक अभियाँत्रिकी	2010
		प्रत्युल कपूर, कंचन पटेल, श्रुति जैन		2011
		शालिनी कावडिया, आकांक्षा जगवाणी		2012
19	जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, अमरीका	नाडकर्णी नील प्रशांत, ललिता अनुषा, जोशी निशांत शिरिष	यॉंत्रिकी अभियाँत्रिकी	2010
		नितीश भाजे, सार्थक जैन	विद्युत अभियाँत्रिकी	2011

20	कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, पसादेना	बोर्डे प्रशांत अशोक, प्रथमेश अरविंद जुवाटकर	विद्युत अभियाँत्रिकी	2011
		ईशान देवदत्त टम्भेरकर	याँत्रिकी अभियाँत्रिकी	
		श्रुति जैन	रासायनिक अभियाँत्रिकी	2012
		जैनिल पारेख, प्रीतेश संखे, सत्यन्द्र सिंह जादौन	विद्युत अभियाँत्रिकी	
		रोहित चौकशी, मोहक पटेल	याँत्रिकी अभियाँत्रिकी	
21	अण्डराइटर्स प्रयोगशाला, केम्स, डब्ल्यू ए	विवेक यादव, दिव्यांक सिंह, अभिषेक उमराव	रासायनिक अभियाँत्रिकी	2010
		अदनान अहमद अंसारी, अंचित गौरव	याँत्रिकी अभियाँत्रिकी	
		शौर्य प्रकाश सिन्हा	विद्युत अभियाँत्रिकी	
		दिव्यांक सिंह, रवि तेजा	रासायनिक अभियाँत्रिकी	2012
		यू. रेवन्त वेंकट संदीप	विद्युत अभियाँत्रिकी	
		अभिलाष पटेल, शुभम चौहान, अभिषेक कंडोई, मैसम अलि डायर्की	याँत्रिकी अभियाँत्रिकी	

अन्य घटनाएँ एवं कार्यकलाप

मंचेस्टर कॉलेज, इंडियाना के छात्रों का भा प्रौ सं गाँधीनगर का दौरा

मंचेस्टर कॉलेज, इंडियाना, अमरीका के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के एक सोलह सदस्यीय शिष्टमण्डल ने 15 जनवरी, 2012 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का दौरा किया । यह दौरा उनके भारत भ्रमण संबंधी पाठ्क्रम के सिलसिले में किया गया था । इस शिष्टमण्डल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ विचार-विमर्श कर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा भारतीय शिक्षा तंत्र में किए जा रहे योगदान के बारे में समझा । **प्रा. शर्मिष्ठा लाहिड़ी** ने इस दौरे का समन्वयन किया ।

बाहर तक पहुँच

ISCTE - लिस्बन विश्वविद्यालय संस्थान के रेक्टर के आमंत्रण पर **प्रा. सुधीर के. जैन** तथा **प्रा. जेसन मंजली** ने ISCTE -लिस्बन विश्वविद्यालय संस्थान का 24-29 मई 2011 को दौरा किया । आपसी अभिरूचि के अनेक शैक्षिक मामलों पर विचार विमर्श किया गया तथा शैक्षिक सहयोग हेतु आपस में एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किया गया । अन्तर्राष्ट्रीय भूकंप अभियाँत्रिकी एशोसिएशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष के रूप में प्रा. सुधीर के. जैन ने लिस्बन में 15वें विश्व भूकंप अभियाँत्रिकी सम्मेलन के संयोजन समिति के सदस्यों से भी सम्मेलन की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया । यह सम्मेलन 24-28 सितम्बर, 2012 को लिस्बन में आयोजित किया जाएगा ।

प्रा. सुधीर के. जैन ने भारतीय राष्ट्रीय अकादमी के अध्यक्ष के नेतृत्व में 19वें CAETS बैठक में भी भाग लिया । जोखिम घटाने के लिए अभियाँत्रिकी विश्लेषण एवं प्रबंधन विषय पर यह सभा 27 जून से 1 जुलाई 2011 के दौरान आयोजित की गयी थी । प्रा. जैन ने विकासशील देशों के विशेष संदर्भ में भूकंपीय सुरक्षा के रास्ते विषय पर एक व्याख्यान भी दिया । प्रा. जैन ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय बर्कली, लॉस एंजलिस, दक्षिण कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय तथा कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान का भी दौरा किया ताकि उनके साथ अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग स्थापित किया जा सके और साथ ही नये संकाय सदस्यों की तलाश की जा सके जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में शामिल हो सकें । उन्होंने छात्र विनिमय हेतु कैल्टेक के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किया । इसी दौरे के दरम्याँ प्रा. जैन ने सैन फ्रांसिसको, लॉस एजलिस, मैक्सिको तथा शिकागो के कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों से भी संपर्क स्थापित किया और उनसे सहयोग बढ़ाने के तौर-तरिकों पर विचार-विमर्श किया ।

प्रा.सुधीर के. जैन तथा **प्रा. सुभाष देवधर** ने न्यूयार्क में 30 सितम्बर से 2 अक्तूबर 2011 के दौरान आयोजित पैन आई आई टी अल्यूमनाई मीट 2011 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का प्रतिनिधित्व किया तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व छात्रों से मेलजोल बढ़ाया । प्रा. जैन ने कोलंबिया विश्वविद्यालय तथा एम आई टी के छात्रों का भी संबोधन किया ताकि संस्थान के लिए उत्कृष्ण संकाय सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए उन्हें प्रेरित किया जा सके । उन्होंने ओलिन कॉलेज का भी दौरा किया जिसने थोड़े ही समय में अभियाँत्रिकी शिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय ख्याति प्राप्त कर लिया है । इस दौरे का उद्देश्य दोनों संस्थानों में आपसी सहयोग के विकल्प तलाशना था । प्रा. जैन ने यंग इन्वेस्टिगेटर्स मीट (YIM) (अक्तूबर 8-10, 2011) में भी भाग लिया । इस मीट का तात्पर्य अमरीका स्थित भारतीय मूल के लोगों को भारतीय शिक्षा संस्थानो में संकाय पदों पर कार्य करने के लिए आकर्षित करना होता है । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर इस मीट के मुख्य प्रायोजकों में से एक था ।